web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 28 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 151

रिकार्डों वाला महाकुंभ, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

प्रयागराज । आरएनएस

महाकुंभ कल संपन्न हुआ और आज भी मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। लोग संगम स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। मेले में दुकानें भी लगी हैं। आज सुबह सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम के साथ गुरुवार सुबह प्रयागराज पहुंचे। योगी ने पहले अरैल घाट पर झाड़ू लगाई। गंगा नदी से कचरा निकाला। फिर गंगा पूजन भी किया।

योगी ने सफाईकर्मियों के साथ जमीन पर बैठकर खाना खाया। दोनों डिप्टी ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद रहे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रयागराज में कहा कि रेलवे ने भक्ति भाव से सभी यात्रियों और श्रद्धालुओं की सेवा की। 4 से 5 करोड़ श्रद्धालुओं को भारतीय रेल से लाया और ले जाया गया। रेलवे ने 16,000 से ज्यादा ट्रेनें चलाईं. ये किसी एक आयोजन में सबसे अधिक ट्रेन चलाने का नया कीर्तिमान है। वहीं महाकुंभ के दौरान बने गिनीज बुक आफ रिकार्डस के सर्टिफिकेट भी आज दिए गए।

इन रिकॉर्ड्स के सर्टिफिकेट आज सौंपे गए-

गंगा सफाई का रिकॉर्ड बना, 4 अलग अलग स्थानों पर 360 लोगों द्वारा सफाई करने का रिकॉर्ड

हैंड पेंटिंग में – 10,102 लोगों का रिकॉर्ड, पहले 7660 लोगों का था।

झाड़ू लगाने में- 19000 लोगों का रिकॉर्ड बना, पहले 10,000 लोगों का था।

महाकुंभ के बाद सफाई अभियान में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 के समापन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने मंत्रियों के साथ सफाई अभियान में जुट गए हैं। गुरुवार को महाकुंभ समापन समारोह में पहुंचे योगी ने सबसे पहले मेला क्षेत्र में झाड़ू लगाकर सफाई की और कूड़े को हटाया। इसके बाद उन्होंने अरैल घाट पर पहुंचकर गंदगी को हटाया। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी मौजूद थे। उन्होंने सभी के साथ अरैल घाट पर पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री योगी गोरखपुर से प्रयागराज हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे। उनका हेलीकॉप्टर दिल्ली पब्लिक स्कूल के ग्राउंड में उतरा था। यहां उनके स्वागत के लिए उपमुख्यमंत्री मौजूद थे। मुख्यमंत्री योगी प्रयागराज में 11 जनवरी से 26 फरवरी तक चले महाकुंभ मेले को सफल बनाने के लिए कर्मचारियों, अधिकारियों और संस्थाओं का सम्मान करेंगे। बता दें कि 45 दिन के मेले में करीब 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी समापन पर अपने विचार साझा किए हैं।

पीएम मोदी ने महाकुंभ को बताया एकता का महायज्ञ, सीएम योगी ने जताया आभार

लखनऊ । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के समापन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लेख लिखकर इसे देश की एकता का महाकुंभ बताया। इसके बाद सीएम योगी ने पीएम का आभार जताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में सीएम योगी ने कहा, आदरणीय प्रधानमंत्री जी, यह आपके यशस्वी मार्गदर्शन का ही सुफल है कि एकता, समता, समरसता का महायज्ञ महाकुंभ-2025, प्रयागराज भव्यता-दिव्यता के साथ सुरक्षा-स्वच्छता-सुव्यवस्था के नवीन मानक गढक़र आज संपन्न हो गया है। विगत 45 पुण्य दिवसों में पूज्य साधु-संतों समेत 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पावन त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर कृतार्थ हुए हैं। सकल विश्व को सभी जन एक हैं का अमृत संदेश देने वाला यह मानवता का महोत्सव वसुधैव कुटुंबकम के पुण्य भाव के साथ संपूर्ण विश्व को एकता के सूत्र में पिरो रहा है। आपका मार्गदर्शन एवं शुभेच्छाएं हम सभी को सदैव नई ऊर्जा प्रदान करती हैं, हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी! हर हर-गंगे, भगवान बेनी माधव की जय!

पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा , महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में पूरे 45 दिनों तक जिस प्रकार 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ी, वो अभिभूत करता है! महाकुंभ के पूर्ण होने पर जो विचार मन में आए, उन्हें मैंने कलमबद्ध करने का प्रयास किया है। इसके अलावा पीएम मोदी ने एक लेख लिखकर सीएम योगी की तारीफ की।

पीएम मोदी ने लिखा, श्रद्धा से भरे जो करोड़ों लोग प्रयाग पहुंचकर इस एकता के महाकुंभ का हिस्सा बने, उनकी सेवा का दायित्व भी श्रद्धा के सामर्थ्य से ही पूरा हुआ है।

दोषी सांसदों पर आजीवन बैन लगाना सही नहीं, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

नई दिल्ली । आरएनएस

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि आपराधिक मामलों में दोषी ठहराए गए राजनेताओं पर आजीवन प्रतिबंध कठोर होगा इसलिए छह साल का प्रतिबंध पर्याप्त है। वकील अश्विनी उपाध्याय की याचिका के जवाब में दायर एक हलफनामे में, केंद्र सरकार ने कहा कि अयोग्यता की अवधि तय करना पूरी तरह से संसद के अधिकार क्षेत्र में है। इसमें कहा गया है कि दंड के क्रियान्वयन को एक उपयुक्त समय तक सीमित कर, रोकथाम सुनिश्चित की गई है और अनावश्यक कठोर कार्रवाई से बचा गया है।

केंद्र ने कहा कि यह कानून का स्थापित सिद्धांत है कि दंड या तो समय या मात्रा के अनुसार निर्धारित होते हैं। हलफनामे में कहा गया है, ''यह दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए मुद्दों के व्यापक प्रभाव हैं और वे स्पष्ट रूप से संसद की विधायी नीति के अंतर्गत आते हैं तथा इस संबंध में न्यायिक समीक्षा की रूपरेखा में उपयुक्त परिवर्तन करना पड़ेगा।'' केंद्र सरकार के हलफनामे में कहा गया है कि याचिकाकर्ता का संविधान के आर्टिकल 102 और 191 पर इस मामले में भरोसा पूरी तरह से गलत है।

संविधान के आर्टिकल 102 और 191 संसद के किसी भी सदन, विधान सभा या विधान परिषद की सदस्यता के लिए अयोग्यता से संबंधित हैं। केंद्र ने कहा कि अनुच्छेद 102 और 191 के खंड (ई) संसद को अयोग्यता को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने की शक्ति देते हैं और इसी शक्ति का इस्तेमाल करते हुए 1951 का अधिनियम बनाया गया था।

सेना के वाहन पर हमले के बाद राजौरी में सर्च ऑपरेशन तेज, सुरक्षाबल ड्रोन और सर्च डॉग का कर रहे इस्तेमाल

श्रीनगर । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना के वाहन पर गोलीबारी के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। सुरक्षाबलों ने आज राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में रुह्रष्ट के पास नए इलाकों में घेराबंदी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। इस सर्च ऑपरेशन का उद्देश्य पिछले दिन सेना के वाहन पर गोलीबारी करने वाले आतंकवादियों को खदेडऩा है। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दयालचक में भी एक नया अभियान शुरू किया गया, जब सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध फ्रीक्वेंसी वायरलेस सेट को रोका।

्रसुंदरबनी सेक्टर के फाल गांव के पास एक जंगल में छिपे संदिग्ध आतंकवादियों ने बुधवार को सेना के एक वाहन पर गोलीबारी की, जिसके बाद सेना और पुलिस ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों ने बताया कि फाल में तलाशी अभियान जारी है और छिपे हुए आतंकवादियों को खदेडऩे के लिए आज सुबह इसे नए इलाकों तक बढ़ा दिया गया। उन्होंने बताया कि अभी तक आतंकवादियों से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल घने जंगलों में आतंकवादियों की तलाश के लिए नवीनतम तकनीक, ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में, सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने कहा, आतंकवादियों ने कल (बुधवार) सुंदरबनी, अखनूर में भारतीय सेना के काफिले पर गोलीबारी की। गोलीबारी अप्रभावी थी और हमारे अपने सैनिकों ने तेजी से जवाब दिया। कुछ सोशल मीडिया हैंडल अपने सैनिकों के हताहत होने का झूठा दावा कर रहे हैं। यह गलत और जानबूझकर फैलाई गई गलत सूचना है। अपराधियों को बेअसर करने के लिए फिलहाल तलाशी अभियान चल रहा है।

तेलंगाना सुरंग हादसा

फंसे हुए 8 लोगों तक पहुंचने के लिए तेज किया गया बचाव अभियान

नागरकुरनूल । आरएनएस

श्रीशैलम सुरंग नहर परियोजना हादसे के छठे दिन बचाव अभियान में जुटे कर्मियों को सफलता नहीं मिली है. इस अभियान में जुटे अधिकारियों ने यह भी साफ नहीं किया है कि सुरंग में फंसे लोगों को बाहर निकालने में और कितना वक्त लगेगा. हालांकि, उन्हें बचाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी है.

कहा जा रहा कि सुरंग में खराब पड़ी टीबीएम मशीन बचाव अभियान में बाधा बनी है. ये मशीन सुरंग में फंसे लोगों और बचावकर्मियों के बीच में है जिससे उनके आगे बढऩे का रास्ता बंद है. अब इस मशीन को ही काटने का काम किया जा रहा है. इसे काट कर टुकड़ों में सुरंग से बाहर निकाला जाएगा. इसके बार रास्ता साफ होने पर बचाव दल आगे बढ़ेंगे.

नागरकुरनूल के पुलिस अधीक्षक वैभव गायकवाड़ ने कहा कि सुरंग में कन्वेयर बेल्ट के क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत दिन में कर दी जाएगी, ताकि मलबे का परिवहन आसान हो सके. जब अधिकारी से पूछा गया कि क्या गैस कटर ने काम करना शुरू कर दिया है, तो उन्होंने कहा कि यह पहले ही हो चुका है. गैस काटने वाली मशीनें अंदर भेज दी चली गई है. रात में भी उन्होंने कुछ काटने का काम किया.

तेलंगाना के मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को कहा कि अंदर लगी टीबीएम को गैस कटर से टुकड़ों में काटकर निकाला जाएगा. इसके बाद सेना, नौसेना, रैट माइनर्स और एनडीआरएफ की टीमें अपनी सुरक्षा से समझौता किए बिना लापता आठ लोगों को बचाने के लिए एक और गंभीर प्रयास करेगी. एक सवाल के जवाब में एसपी ने कहा कि वह इस बात का जवाब नहीं दे सकते कि फंसे हुए लोगों का आज पता चल पाएगा या नहीं.

रिपोर्ट के अनुसार सुरंग के काम में लगे कुछ मजदूरों ने डर के कारण जगह छोडऩे की बात कही है. एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर परियोजना पर 800 लोग काम कर रहे हैं. इनमें से 300 स्थानीय हैं जबकि बाकी झारखंड, ओडिशा और यूपी जैसे राज्यों से हैं.

एसएलबीसी परियोजना की ठेकेदार कंपनी जेपी ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष जयप्रकाश गौड़ ने बुधवार को इस घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कठिन कार्यों के दौरान दुर्घटनाएं हो सकती हैं. इस सुरंग को खोदने का काम एक प्राइवेट कंपनी को सौंपा गया था.

फंसे हुए लोगों की पहचान मनोज कुमार (यूपी), श्री निवास (यूपी), सनी सिंह (जम्मू-कश्मीर), गुरप्रीत सिंह (पंजाब) और संदीप साहू, जेगता जेस, संतोष साहू और अनुज साहू के रूप में हुई है. ये सभी झारखंड के रहने वाले हैं. आठ लोगों में से दो इंजीनियर, दो ऑपरेटर और बाकी चार मजदूर हैं.

असम के मोरीगांव में 5.0 तीव्रता के भूकंप से सहमे लोग, गुवाहाटी तक लगे झटके

गुवाहाटी । आरएनएस

असम के मोरीगांव में गुरुवार तडक़े तेज भूकंप के झटकों से लोग सहम गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.0 दर्ज की गई है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप सुबह 2:25 बजे 16 किलोमीटर गहराई में आया है। इसके झटके मोरीगांव से 80 किलोमीटर दूर गुवाहाटी और राज्य के अन्य हिस्सों में भी महसूस किए गए हैं।

भारत के अलावा तजाकिस्तान में भी सुबह 6:27 बजे 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जो 90 किलोमीटर गहराई में था।

असम में भूकंप से कुछ दिन पहले 25 फरवरी को बंगाल की खाड़ी में 5.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके झटके पश्चिम बंगाल के कोलकाता और कई अन्य हिस्सों में भी महसूस हुए थे।

दिल्ली में भी 17 फरवरी को 4.0 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र धौला कुआं में दुर्गाबाई देशमुख कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन के पास 5 किलोमीटर की गहराई पर था।

दिल्ली में भूकंप काफी तेज था, जिससे लोग सहम गए थे।

विशेषज्ञों की मानें तो असम में भूकंप आना सामान्य बात है क्योंकि यह भारत के सबसे ज़्यादा भूकंप-प्रवण क्षेत्रों में से एक है।

यह भूकंपीय क्षेत्र 5 में आता है, जिसका मतलब है कि यहां तेज़ झटकों का ख़तरा ज़्यादा है, जबकि दिल्ली क्षेत्र 4 में आता है।

सूरत : कपड़ा मार्केट में लगी भीषण आग, पुलिस ने इलाका कराया खाली; अब तक 400 करोड़ रुपये का नुकसान

सूरत । आरएनएस

गुजरात के सूरत के शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में लगी आग पर अब तक काबू नहीं पाया जा सका है। आग पर काबू पाने के लिए सूरत, नवसारी और बारडोली फायर ब्रिगेड टीम के अलावा हजीरा इंडस्ट्रियल से ओएनजीसी, कृभको, एएमएनएस, एनटीपीसी, रिलायंस और कलर टैक्स कंपनियों की फायर सेफ्टी टीम भी लगी हुई है। चीफ फायर ऑफिसर बसंत परीख ने बताया कि मार्केट की दुकानों में सिंथेटिक कपड़े होने के कारण आग तेजी से फैल रही है। इसके चलते फायर जवानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि लगातार 16 घंटे तक आग से बिल्डिंग गर्म हो गई है और धुआं भी भर रहा है।

शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में कुल 834 दुकानें हैं। मंगलवार को मार्केट की बेसमेंट में आग लगी थी, जिसे बुझा लिया गया था, लेकिन बुधवार को मार्केट खुलने से पहले अंदर से धुआं निकला, तो आग फैल गई। यह आग पहली मंजिल से शुरू होकर चौथी मंजिल तक पहुंच गई। आग में कई दुकानें जलकर खाक हो गईं।

सूरत शहर के कपड़ा बाजार संगठन के प्रमुख कैलाश हाकिम ने बताया कि इस मार्केट में 500 से ज्यादा दुकानें हैं। अनुमान है कि एक दुकान में 50 लाख से 1.5 करोड़ तक का माल होता है, जिससे इस आग से करीब 400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। फिलहाल, 16 घंटे से ज्यादा समय हो चुका है, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। आग की भयावहता को देखते हुए इसे बुझाने में 8 से 10 घंटे और लग सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही हमें आग लगने की जानकारी मिली, हम अपनी टीम के साथ यहां पर पहुंचकर आग बुझाने में लग गए। लेकिन, दुर्भाग्य यह था कि जब दमकलकर्मियों की टीम मौके पर पहुंची, तो दुकान बंद थी। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत से कई दुकान के ताले तोड़े, तो कभी खिडक़ी तोड़ी, ताकि कैसे भी करके आग को बुझाया जा सके।

उन्होंने कहा कि इतने घंटे हो चुके हैं। लेकिन, अब तक आग पर काबू नहीं पाया गया है। आग लगातार बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने इस आग में हुए नुकसान के बारे में बताते हुए कहा कि इस बाजार में 500 दुकानें हैं। मुझे लगता है कि इस आग से करीब 500 करोड़ का नुकसान हो चुका होगा। इतने घंटे से आग लगी हुई है, तो ऐसे में यहां का पूरा स्ट्रक्चर ही खराब हो चुका है। यह आग इतनी भयावह है कि यहां के दुकानदारों को खड़ा होने में काफी समय लग जाएगा। दुकानों के शटर बंद होने की वजह से आग बुझाने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा है।

बता दें कि गुजरात के सूरत स्थित शिवशक्ति टेक्सटाइल मार्केट में बुधवार की शाम आग लग गई थी। इस आग ने मार्केट की पहली और दूसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। काफी मशक्कत से अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस मार्केट में मंगलवार को आग लगी थी, जिसमें एक व्यक्ति की मौत भी हो गई थी। इसके बाद आग पर काबू पा लिया गया था। लेकिन, बुधवार शाम को दोबारा से आग लग गई। इस बार आग इतनी भयावह है कि अब तक इसे काबू में नहीं किया जा सका है।

अंतर्राष्ट्रीय

पहले भर्ती पर रोक लगाई, अब 30 दिन में ट्रांसजेंडरों को सेना से निकालने का फरमान; ट्रंप का एक और एक्शन

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जब से सत्ता में आए हैं वो ट्रांसजेंडरों के खिलाफ कई कड़े फैसले ले रहे हैं। अब अदालत में दी गई जानकारी के अनुसार, ट्रंप सरकार ट्रांसजेंडर सैनिकों को अमेरिकी सेना से हटाने जा रही है। ट्रांसजेंडर्स को पहले ही सेना में शामिल होने या सेवा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ट्रंप ने कहा कि एक पुरुष जो खुद को महिला के रूप में पहचानता है, वह एक सैनिक नहीं बन सकता है। इस महीने, पेंटागन ने कहा था कि अमेरिकी सेना अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शामिल होने की अनुमति नहीं देगी और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगी। ट्रंप सरकार ने कोर्ट में कहा कि हम 30 दिनों के भीतर ट्रांसजेंडर सैनिकों की पहचान करने के लिए एक प्रक्रिया बनाएंगे और फिर उसके 30 दिनों के भीतर उन्हें सेना से अलग करेंगे। पेंटागन द्वारा ये भी कहा गया है,अमेरिकी सरकार की नीति है कि सैनिक की तत्परता, घातकता, सामंजस्य, ईमानदारी, विनम्रता, एकरूपता और अखंडता के लिए उच्च मानक स्थापित किए जाएं। अमेरिकी रक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सेना में लगभग 13 लाख सक्रिय सैनिक हैं। हालांकि, ट्रांसजेंडर अधिकार अधिवक्ताओं का कहना है कि 15,000 से अधिक ट्रांसजेंडर इसमें सेवा देते हैं।

सूडान : सैन्य विमान हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 46

खार्तूम । सूडान की राजधानी खार्तूम के उत्तर में हुए सैन्य विमान हादसे में मरने वालों की संख्या बढक़र 46 हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। खार्तूम स्टेट प्रेस ऑफिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कल हुई विमान दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 46 हो गई है, जबकि 10 लोग घायल हुए हैं। हताहतों में सैन्यकर्मी और नागरिक दोनों शामिल हैं। विमान ओमदुरमन के अल-हारा 75 क्षेत्र में एक घर पर गिर गया था। घायलों का इलाज सरकारी अस्पतालों में किया जा रहा है। सूडानी सेना ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि खार्तूम से लगभग 22 किलोमीटर उत्तर में ओमदुरमन के वाडी सेडना एयरबेस से उड़ान भरने वाला एंटोनोव विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे इसके चालक दल और कई सैन्य अधिकारी मारे गए। नाम न बताने की शर्त पर एक सैन्य सूत्र ने हादसे के लिए तकनीकी खराबी को जिम्मेदार ठहराया। चार लोगों के चालक दल वाला यह विमान कथित तौर पर एक सैन्य मिशन पर था, जिसमें कई उच्च पदस्थ अधिकारी सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विमान कम ऊंचाई पर उड़ रहा था, लेकिन अचानक नीचे गिर गया और घनी आबादी वाले इलाके में आग लग गई। सूडान न्यूज के अनुसार, हादसे में एक ब्रिगेडियर जनरल, कई अधिकारी और सैनिक तथा कम से कम पांच नागरिक मारे गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विमान का मलबा आवासीय घरों में बिखर गया, जिसमें कुछ घरों को काफी नुकसान पहुंचा है।

लेबनान में इजरायली ड्रोन हमला, दो लोगों की मौत

बेरूत । लेबनान की पूर्वी पर्वत श्रृंखला के पास जनता के शारा क्षेत्र में इजरायली ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के हवाले से बताया कि इजरायली बलों ने दक्षिणी लेबनान के अल्मा अल-शाब गांव और नकौरा शहर के बीच रोशनी वाली लाइटें भी गिराईं। इजरायल और लेबनान के बीच 27 नवंबर, 2024 से युद्धविराम समझौता लागू है। इसने गाजा युद्ध के कारण लगभग 14 महीने से चल रही लड़ाई पर रोक लगा दी है। हालांकि इजरायल के रुक रुक कर सैनिक कार्रवाइयां करता रहता है। इस समझौते में लेबनानी क्षेत्र से इजरायली सेना की वापसी की बात कही गई थी, लेकिन 18 फरवरी की समय-सीमा के बावजूद इजरायल ने बॉर्डर पर पांच स्थानों पर अपनी उपस्थिति बनाए रखी है। इससे पहले इजरायल की सेना ने कहा था कि उसने युद्ध विराम समझौते के बावजूद दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले शुरू किए हैं। एक बयान में, सेना ने कहा कि उसने हथियारों से लैस बुनियादी ढांचे पर हमला किया, जहां हिजबुल्लाह की गतिविधि की पहचान की गई।